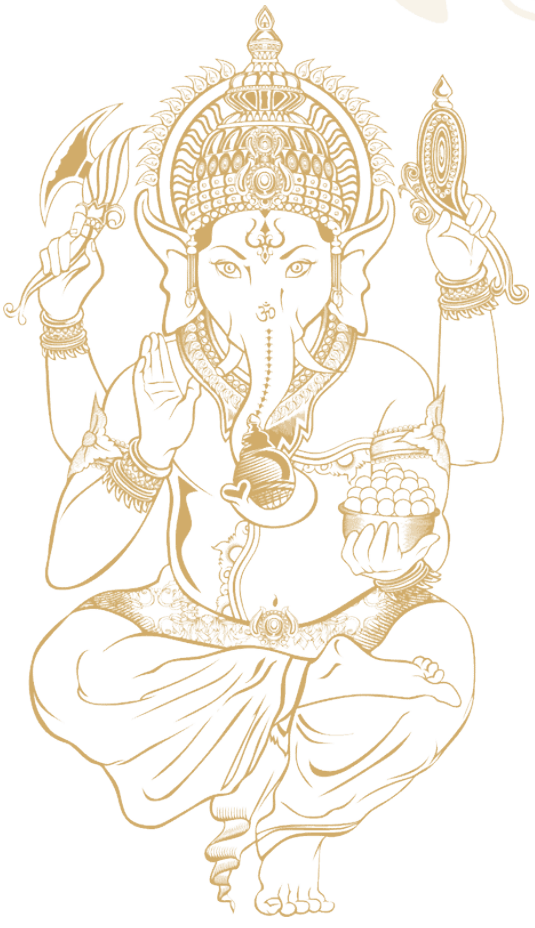

Jatin

Poonam

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121489905

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
10-11/12/1991 :	जन्म तिथि	: 14-15/08/1999
मंगल-बुधवार :	दिन	: शनि-रविवार
घंटे 00:07:00 :	जन्म समय	: 05:30:00 घंटे
घटी 42:42:37 :	जन्म समय(घटी)	: 59:11:23 घटी
India :	देश	: India
Faridabad :	स्थान	: Kaman
28:24:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:39:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:16:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48 :	स्थानिक संस्कार	: -00:20:56 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:01:57 :	सूर्योदय	: 05:50:37
17:24:47 :	सूर्यास्त	: 19:00:15
23:44:56 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:54

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 6वर्ष 5मा 27दि		23:30:04	सिंह	लग्न	कर्क	22:31:17	चन्द्र 8वर्ष 7मा 14दि	
गुरु		24:27:19	वृश्चि	सूर्य	कर्क	27:54:00	राहु	
08/06/2023		14:40:33	मक	चंद्र	कन्या	11:50:13	30/03/2015	
08/06/2039		14:36:01	वृश्चि	मंगल	तुला	24:57:41	29/03/2033	
गुरु	27/07/2025	19:21:56	वृश्चि व	बुध	कर्क	09:07:42	राहु	10/12/2017
शनि	07/02/2028	20:14:17	सिंह	गुरु	मेष	10:58:12	गुरु	05/05/2020
बुध	15/05/2030	11:27:06	तुला	शुक्र व	सिंह	06:29:08	शनि	11/03/2023
केतु	21/04/2031	09:53:49	मक	शनि	मेष	23:07:56	बुध	28/09/2025
शुक्र	20/12/2033	16:09:16	धनु	राहु व	कर्क	19:04:44	केतु	16/10/2026
सूर्य	08/10/2034	16:09:16	मिथु	केतु व	मक	19:04:44	शुक्र	16/10/2029
चन्द्र	07/02/2036	18:41:51	धनु	हर्ष व	मक	20:40:49	सूर्य	10/09/2030
मंगल	13/01/2037	21:41:38	धनु	नेप व	मक	08:36:29	चन्द्र	11/03/2032
राहु	08/06/2039	27:37:34	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	13:53:38	मंगल	29/03/2033

लग्न-चलित

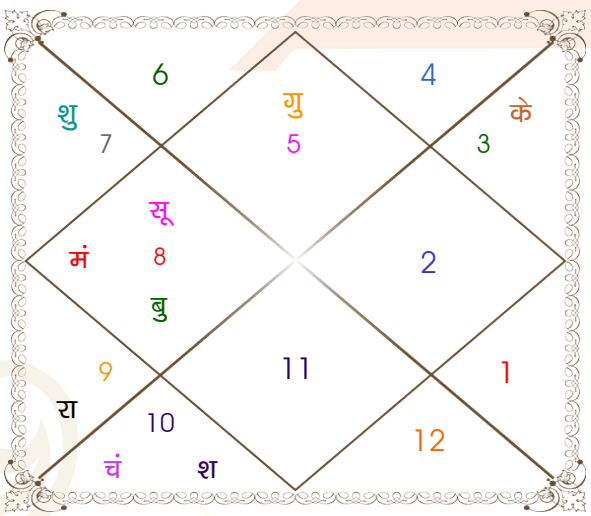

लग्न-चलित

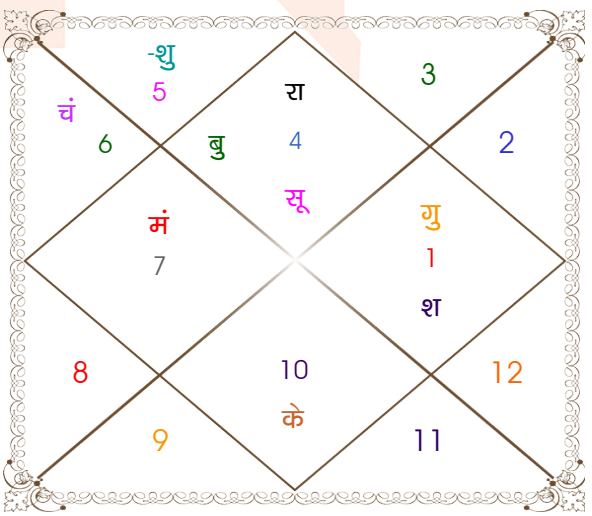

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Jatin का वर्ग मार्जार है तथा च्ववदंउ का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jatin और च्ववदंउ का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Jatin मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Jatin कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Jatin कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्ववदंउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Jatin कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Jatin तथा च्ववदंउ में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।